आकाशवाणी केन्द्र शिमला
01.02.2025 / प्रादेशिक समाचार / 1800 बजे

केंद्रीय बजट

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने आज लोकसभा में वित्त वर्ष 2025–26 का केंद्रीय बजट पेश किया। केंद्रीय बजट में एक लाख रूपये तक प्रतिमाह की औसत आय पर कोई आयकर न लगाने का ऐलान किया गया है। इससे मध्यम वर्ग परिवारों की आय व खपत में वृद्धि होगी। वेतनभोगी करदाताओं को नई कर व्यवस्था में 12 लाख 75 हज़ार रूपये तक कोई आयकर नहीं देना होगा। केंद्रीय बजट में विकास के 4 इंजनों की पहचान की गई है। इनमें कृषि, एम.एस.एम.ई., निवेश और निर्यात शामिल है। बजट में राज्यों की भागीदारी के साथ प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना की घोषणा की गई है। इसके तहत सौ ज़िलों को शामिल किया गया है, जिससे एक करोड़ 70 लाख किसानों को लाभ होगा। केंद्रीय वित्त मंत्री ने ऐलान किया कि अगले 5 वर्षों में सरकारी विद्यालयों में 50 हज़ार अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी।

भारत नेट परियोजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सभी सरकारी माध्यमिक विद्यालयों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को ब्रॉडबेंड कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी। बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सभी अन्य बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित बजट में 10 प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान दिया गया है और बजट का उद्देश्य सभी को समावेशी विकास के रास्ते पर लेकर चलना है। उन्होंने कहा कि यह बजट 'विकसित भारत' की आकांक्षाओं से प्रेरित है और विकास को गति देने के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में रोजगार आधारित विकास को सक्षम बनाना है। उन्होंने घोषणा की कि मखाना के उत्पादन और विपणन में सुधार के लिए मखाना बोर्ड की स्थापना की जाएगी और उच्च उपज वाले बीजों पर एक राष्ट्रीय मिशन भी शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बजट का उद्देश्य कराधान, बिजली क्षेत्र, शहरी विकास, खनन, वित्तीय क्षेत्र और नियामक सुधारों सहित छह क्षेत्रों में परिवर्तनकारी सुधार शुरू करना है।

प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि केंद्रीय बजट एक सौ चालीस करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संसद में बजट पेश किए जाने के बाद अपने संदेश में उन्होंने कहा कि यह बजट भारत की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बजट हर भारतीय के सपनों को पूरा करता है। उन्होंने बजट को सशक्त बनाने वाला बताया और कहा कि यह देश में बचत, निवेश, खपत और विकास को बढ़ावा देगा।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने केंद्रीय बजट को असमान और अवसरवादी करार दिया है। उन्होंने शिमला में कहा कि ये बजट बेरोजगारी, गरीबी और बढ़ती मंहगाई जैसे देश के महत्वपूर्ण मुददों को संबोधित करने की दिशा में असफल रहा है। उन्होंने कहा कि बजट में हिमाचल प्रदेश में रेल विस्तार जैसे महत्वपूर्ण मामले का उल्लेख भी नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य के आर्थिक विकास के लिए रेल विस्तार आवश्यक है लेकिन इस मामले को नजरअंदाज किया गया है।

निधन

भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री किशन कपूर का आज सुबह निधन हो गया। वे 73 वर्ष के थे और पिछले काफी समय से बीमार चल रहे थे। उन्होंने पीजीआई चंडीगढ़ में अंतिम सांस ली और उनका धर्मशाला स्थित उनके पैतृक गांव में कल अंतिम संस्कार किया जाएगा।

.....